हिंदी सांध्य दैनिक

भवानी टाईम्स

प्रधान संपादक : चंद्रकांत खंडेलवाल, 9422831140

RNI Reg.NO.39851/1981

E-mail : bhawanitimes@gmail.com

वर्ष : 46 अंक : 39 गोंदिया, शनिवार दि. 11 जुलाई 2026 पृष्ठ : 04 मूल्य : 1.10 रू Post Redg.NPMFL/27/2024-2026

बाइक फिसलने से युवक की मौत

गोंदिया : सालेकसा तहसील के टोयागोंदी क्षेत्र में बाइक अनियंत्रित होकर फिसल जाने से 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, मुकुट डोह निवासी अनिल अर्जुन सयाम (21) बाइक से अपने घर लौट रहा था. इसी दौरान वाहन से नियंत्रण हटने पर बाइक फिसल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे उपचार के लिए नागपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई. फिर्यादी रिंकी अनिल सयाम (27) की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार सौंजाल कर रहे हैं.

संक्षिप्त

बाइक की टक्कर से वृद्ध घायल

गोंदिया : सालेकसा थाने के तहत कावराबांध क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से मोटरसाइकिल चलाकर एक वृद्ध को टक्कर मारने के मामले में सालेकसा पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, पठानटोला निवासी आदुलराव दुलीचंद बल्हारे (60) सड़क से पैदल जा रहा था. इसी दौरान मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35- एक्स 1788 के चालक खेडेपार निवासी सुखदास दमाहे (45) ने वाहन तेज गति से चलाते हुए टक्कर मारी.

केरोसिन का अभाव, बढ़ी परेशानी

सालेकसा : सरकार ने उज्वला गैस का वितरण कर गरीबों के राशनकार्ड से केरोसिन बंद कर दिया है. इन दिनों बारिश में बिजली की समस्या उत्पन्न होती है. ऐसी स्थिति में रात के समय घरों में उजियाला रखने के लिए लोग दिया जलाते हैं. लेकिन केरोसिन का अभाव होने के कारण लोगों के घरों में रात होते ही अंधेरा छा जाता है. प्रति वर्ष बारिश के दिनों में दुर्गम क्षेत्र की बिजली बंद रहती है. ऐसे में केरोसिन का अभाव होने के कारण लोगों को सर्वाधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है.

नेटवर्क समस्या से कामकाज में बाधा

देवरी : ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में इन दिनों स्लो इंटरनेट स्पीड व नेटवर्क की गंभीर समस्या बन गई है. पिछले अनेक दिनों से कवरेज नहीं मिल पाने के कारण तहसील के मोबाइलधारक पूरी तरह त्रस्त हो गए हैं. रिचार्ज भरने के बाद माह में 4-5 दिन बराबर नेट चलता है लेकिन इसके बाद ज्यों की त्यों स्थिति बनी रहती है. दिन भर में कुछ ही समय नेट चलता है व बातचीत होती है. उपभोक्ताओं की ओर से 3 माह के लिए रुपए अदा करने पर कवरेज व बराबर नेट नहीं मिलता और बेवजह रिचार्ज के पैसे खत्म हो जाते हैं. इसे सुधारने की मांग की जा रही है.

पुल की ऊंचाई बढ़ाने की मांग

गोंदिया : पिछले पांच दिनों से जिले में लगातार बारिश जारी है, जिसमें सालेकसा तहसील में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई है. इस बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं और गोवारीटोला-खेडेपार मार्ग पर लटोरी गांव के पास नाले पर बना पुल कम ऊंचाई के कारण जलमग्न हो गया है. इसके कारण यातायात ठप हो गया है. वहीं छात्रों का शैक्षणिक नुकसान हो रहा है. नागरिकों ने पुल की ऊंचाई बढ़ाने की मांग संबंधित विभाग से की है. जिले में सबसे अधिक वर्षा इस समय सालेकसा तहसील में हो रही है, और सभी नदियां और नाले उफान पर हैं.

दुसरी-तीसरी किश्त में देरी से हजारों परिवारों को उठानी पड रही परेशानी

विभिन्न योजनाओं के तहत मंजूर किए गए थे ३५,०५५ आवास, ३२,६४७ घर बनकर तैयार

संवाददाता / गोंदिया

सरकार की विभिन्न आवास योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित और पक्का घर उपलब्ध कराना है. इसके बावजूद जिले में हजारों लाभार्थियों का यह सपना अभी भी अधूरा है. जिले में स्वीकृत आवासों में से 93.13 प्रतिशत का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन 6.87 प्रतिशत (2,408) आवास अब भी अधूरे हैं. बारिश के मौसम में इन अधूरे मकानों में रहने वाले परिवारों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. कई लोग टीन के शेड, तिरपाल या अस्थायी व्यवस्था के सहारे जीवन बिताने को मजबूर हैं.

जिले में विभिन्न आवास योजनाओं के तहत कुल 35,055 आवास स्वीकृत किए गए थे. इनमें से 32,647 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है. हालांकि उपलब्धि का यह आंकड़ा संतोषजनक माना जा सकता है, लेकिन शेष 2,408 अधूरे आवासों के पीछे हजारों परिवारों की परेशानियां छिपी हुई हैं. बरसात के कारण अधूरे मकानों में पानी भरने, दीवारों के कमजोर होने और निर्माण सामग्री के खराब होने का खतरा लगातार बना हुआ है. आवास निर्माण में दूसरी किश्त की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. जिले में 33,680 लाभार्थियों को दूसरी किश्त जारी की जा चुकी है, जबकि 1,346 लाभार्थी अब भी इस राशि का इंतजार कर रहे हैं. पहली किश्त से नींव और दीवारों का काम पूरा करने के बाद दूसरी किश्त नहीं मिलने से कई मकानों का निर्माण कार्य बीच में ही रुक गया है. समय पर आर्थिक सहायता नहीं मिलने के कारण लाभार्थियों को स्वयं अतिरिक्त धन की व्यवस्था करनी पड़ रही है, जो अधिकांश गरीब परिवारों के लिए संभव नहीं है.

इसी तरह तीसरी किश्त की भी देरी निर्माण कार्य को प्रभावित कर रही है. जिले में 32,619 लाभार्थियों को तीसरी किश्त मिल चुकी है, लेकिन 1,061 लाभार्थी अब भी इसके इंतजार में हैं. तीसरी किश्त से छत, प्लास्टर, दरवाजे-खिड़कियां, फर्श और अन्य अंतिम कार्य पूरे किए जाते हैं. राशि नहीं मिलने से कई मकान अंतिम चरण में पहुंचकर भी अधूरे रह गए हैं, जिससे लाभार्थियों को असुरक्षित परिस्थितियों में रहना पड़ रहा है.

आवास निर्माण में देरी के पीछे सिर्फ किश्तों का विलंब ही कारण नहीं है. निर्माण सामग्री की बढ़ती कीमतें, मजदूरों की कमी, तकनीकी अड़चनें तथा लाभार्थियों की सीमित आर्थिक क्षमता भी निर्माण कार्य की गति को प्रभावित कर रही है. इन कारणों से कई स्थानों पर काम लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है. प्रशासन का कहना है कि अधिकांश लाभार्थियों को सभी किश्तों का भुगतान किया जा चुका है, फिर भी जिन लाभार्थियों के आवास अधूरे हैं, उनके मामलों का शीघ्र समाधान आवश्यक है. सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने प्रशासन से विशेष अभियान चलाकर लंबित किश्तों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने और अधूरे आवासों का निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग की है, ताकि बारिश के मौसम में किसी भी परिवार को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े.

गोठणगांव एओपी में पुलिस भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शुरु

अर्जुनी मोर : गोंदिया जिला पुलिस की 'दादालोरा एकल खिड़की योजना' के तहत पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे की संकल्पना से आदिवासी एवं दुर्गम क्षेत्रों के गरीब एवं प्रतिभाशाली युवाओं के लिए गोठणगांव एओपी में निशुल्क पुलिस भर्ती पूर्व प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया है.

एओपी प्रभारी पुलिस उपनिरीक्षक नीलकंठ गीत्ते ने बताया कि यह प्रशिक्षण पूरी तरह निशुल्क है. उन्होंने क्षेत्र के पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे जरूरतमंद युवक युवतियों से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की. उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष गोठणगांव एओपी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 10 अभ्यर्थियों का विभिन्न सरकारी विभागों में चयन हुआ था. इनमें संध्या ईश्वर, अरमान राणे, अभय लाडे, चंद्रशेखर मेश्राम, अंकित जांभुलकर, दिवाकर उरकुडे, निलेश आड़े, मिलिंद उके, बृजेश रामटेके तथा महिमा कुंभारे का समावेश है. प्रशिक्षण में लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए अंतरवर्गीय प्रशिक्षण एवं अभ्यास प्रश्नपत्र पुलिस उपनिरीक्षक नीलकंठ गीत्ते और पुलिस सिपाही अभिजीत इटेकर द्वारा कराया जा रहा है. वहीं मैदानी परीक्षा की तैयारी एवं शारीरिक प्रशिक्षण हेड कांस्टेबल सचिन घरोटे के मार्गदर्शन में कराया जा रहा है. इस रोजगारोन्मुखी पहल से क्षेत्र के बेरोजगार युवक-युवतियों को पुलिस भर्ती की बेहतर तैयारी का अवसर मिल रहा है. स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है.

एसआईआर के कामों से आशा सेविकाओं को मिलेगी मुक्ति

संवाददाता / गोंदिया

भारत चुनाव आयोग द्वारा देशभर में बीएलओ के माध्यम से एसआईआर का सर्वेक्षण किया जा रहा है। जिसमें आशा स्वयं सेविकाओं को भी बीएलओ पद की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। जिसे देखते हुए आशा वर्कर ने विरोध कर इस काम से मुक्ति देने की मांग की थी। आशा सेविकाओं की मांगों को तथा उनके कार्य को देखते हुए आयुक्त स्वास्थ्य सेवा व अभियान संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के आयुक्त द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र लिखकर इस काम से आशा सेविकाओं को मुक्त किया जाएं और उनके स्थान पर अन्य विभाग के कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपने का विकल्प । निकाला

जाएं। इस तरह का पत्र 6 जुलाई को जारी किया गया है। बता दें कि जिले में बीएलओ के माध्यम से एसआईआर का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। निर्देश दिए गए हैं कि 30 जुलाई तक दिए गए कार्य को पूर्ण किया जाए। इस लक्ष्य को पूरा कराने के लिए जिला प्रशासन ने विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के माध्यमों से एसआईआर का कार्य कराया जा रहा है।

जिसमें आशा वर्कर को भी शामिल किया गया है। लेकिन आशा सेविकाओं का कहना है कि वे माता व बाल संगोपन, टीकाकरण, कुपोषण निर्मुलन तथा विभिन्न संक्रामक व स्वास्थ्य विभाग के सर्वेक्षण का कार्य करते हैं। जिस वजह से बीएलओ का काम करते समय उपरोक्त सेवा प्रभावित हो जाएगी। वहीं आशा सेविकाओं का कहना है कि वे पूर्णकालीन सरकारी कर्मचारी नहीं है। जिसे देखते हुए बीएलओ के काम से मुक्ति दी जाएं। इस मांग को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य सेवा तथा अभियान संचालक के आयुक्त ने मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र लिखकर कहा कि बीएलओ व एसआईआर के कार्य से उन्हें मुक्ति दी जाएं।

दो दिनों से वायरल हो रहे वीडियो के बाद वन विभाग अलर्ट

वन्यजीव को नुकसान न पहुंचाने और तुरंत सूचना देने का अनुरोध

वन विभाग ने नागरिकों से की सावधानी बरतने की अपील

संवाददाता / तिरोड़ा

शहर में पिछले दो दिनों से भालू के विचरण की खबरों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। सोशल मीडिया पर भालू के शहर के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई देने के कथित वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो के सामने आने के बाद नागरिकों में उत्सुकता के साथ-साथ चिंता का माहौल भी देखा जा रहा है। स्थिति को देखते हुए वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास न करने की अपील की है। वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी भी क्षेत्र में भालू या अन्य कोई वन्यजीव दिखाई देता है तो नागरिक स्वयं उसके पास जाने, उसे घेरने, भगाने अथवा किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने का प्रयास न करें। ऐसा करने से वन्यजीव आक्रामक हो सकता है, जिससे जनहानि की संभावना बढ़ सकती है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि ऐसी स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि प्रशिक्षित वनकर्मी मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई कर सकें।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि भालू सहित सभी वन्यजीव भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के अंतर्गत संरक्षित हैं। उन्हें किसी प्रकार की हानि पहुंचाना या उनके साथ दुर्व्यवहार करना दंडनीय अपराध है। इसलिए नागरिक संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें तथा वन्यजीवों की सुरक्षा में सहयोग करें। वन विभाग की टीम प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकता पड़ने पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। विभाग ने लोगों से विशेष रूप से सुबह और शाम के समय सुनसान क्षेत्रों, खेतों तथा जंगल से सटे इलाकों में अकेले जाने से बचने की सलाह दी है। वन विभाग ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि भालू दिखाई दे तो घबराने के बजाय सुरक्षित दूरी बनाए रखें, भीड़ एकत्रित न करें और तुरंत संबंधित वन अधिकारी अथवा वन विभाग के नियंत्रण कक्ष को सूचना दें। प्रशासन ने विश्वास दिलाया है कि नागरिकों की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण, दोनों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

15 पान टपरी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई कर वसूला जुर्माना

गुटखा और तंबाकू के खिलाफ छेड़ा विशेष अभियान

गोंदिया : राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला सामान्य अस्पताल गोंदिया द्वारा आमगांव नगर परिषद क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिला शल्य चिकित्सक डॉ. पुरुषोत्तम पटले, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. तृप्ति कटरे तथा पुलिस निरीक्षक नीलकंठ कुकड़े के नेतृत्व में आमगांव नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों एवं 15 पान टपरियों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान तंबाकू नियंत्रण अधिनियम-2003 के तहत तंबाकू एवं गुटखा का सेवन और प्रतिबंधित सामग्री रखने

वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 3 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस दौरान विभिन्न सार्वजनिक स्थानों एवं पान टपरियों पर धूम्रपान निषेध क्षेत्र तथा तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों से संबंधित जागरूकता पोस्टर वितरित किए गए। जिलाधिकारी मंदार पत्की के निर्देशानुसार जिले के सभी सरकारी, अर्द्धशासकीय कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इसी तरह राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने विशेष टीमों का गठन किया है। जिला सलाहकार डॉ. ज्योति राठौड़ ने बताया कि अभियान के दौरान लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन की जानकारी दी गई तथा तंबाकू विरोधी अधिनियम 2003 के तहत सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री वितरित कर जनजागरूकता भी की गई। इस अभियान में जिला सलाहकार डॉ. ज्योति राठौड़, मनोवैज्ञानिक सुरेखा आजाद मेश्राम, सामाजिक कार्यकर्ता संध्या शंभरकर, डेंटल टेक्नीशियन यश जायसवाल, डेंटल असिस्टेंट विवेकानंद कोरे तथा पुलिस विभाग के कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सर्पदंश होने पर अंधविश्वास में न पड़े, तुरंत अस्पताल जाएं

समय पर इलाज ही जीवन बचाने का प्रभावी उपाय

संवाददाता / नवेगांवबांध

बारिश के मौसम में सांप अपने बिलों में पानी भरने के कारण बाहर निकल आते हैं, जिससे सर्पदंश के मामले बढ़ जाते हैं। सर्पदंश होने पर किसी भी प्रकार के अंधविश्वास या झाड़-के फूंक चक्कर में पड़ने के बजाय तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचना चाहिए। समय पर इलाज ही सर्पदंश से बचाव का एकमात्र प्रभावी उपाय है। नजदीकी सरकारी अस्पतालों में सर्पदंश निरोधक वैक्सीन (एएसवी) मुफ्त उपलब्ध

होती है। किसी व्यक्ति को सर्पदंश होने के बाद का पहला घंटा 'गोल्डन आवर' माना जाता है। इसलिए बिना घबराए तत्काल अस्पताल पहुंचना अत्यंत आवश्यक है। सर्पदंश की आधे से अधिक घटनाएं जून से सितंबर के बीच बारिश के मौसम में होती हैं। इसके बावजूद कई लोग तांत्रिक, झाड़-फूंक, ताबीज-धागे या अवैज्ञानिक उपचार के भरोसे समय गंवा देते हैं, जिससे मरीज की जान खतरे में पड़ जाती है। सर्पमित्र एवं वनरक्षक अमोल चौबे ने बताया कि सापों को लेकर समाज में अनेक अंधविश्वास फैले हुए हैं। इसी कारण कई लोग समय पर अस्पताल नहीं पहुंचते और उपचार में देरी होने से मृत्यु का शिकार हो जाते हैं।

तिरोड़ा में राज्यसभा सदस्य राजेंद्र जैन का भव्य स्वागत

विकास और जनसेवा के संकल्प के साथ किया नागरिकों का अभिनंदन स्वीकार

बाइक रैली, नागरिक अभिनंदन और सामाजिक संस्थाओं के सम्मान समारोह में उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता / तिरोड़ा

शहर में गुरुवार, 10 जुलाई को नव-नियुक्त राज्यसभा सदस्य राजेंद्र जयंतभाऊ जैन का राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की ओर से भव्य स्वागत एवं नागरिक अभिनंदन किया गया। तिरोड़ा शहर और तिरोड़ा तालुका इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा नागरिक उपस्थित रहे। राज्यसभा सदस्य के स्वागत

के अवसर पर यूनियन बैंक परिसर से एक भव्य बाइक रैली निकाली गई। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए रैली का समापन अटल बिहारी सभागार में हुआ, जहां राजेंद्र जैन का पारंपरिक एवं गरिमामय स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे सभागार में स्वागत के नारों से उत्सव जैसा वातावरण बना रहा।

अटल बिहारी सभागार में आयोजित नागरिक सम्मान समारोह के दौरान शहर की विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं ने राजेंद्र जैन का शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उपस्थित जनसमुदाय ने उन्हें राज्यसभा सदस्य बनने पर शुभकामनाएं देते हुए तिरोड़ा के विकास के लिए प्रभावी पहल करने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यसभा सदस्य राजेंद्र जयंतभाऊ जैन ने तिरोड़ा की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो सम्मान और स्नेह मिला है, वह उनके लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनता की समस्याओं और जनहित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को प्राथमिकता के साथ उठाने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि तिरोड़ा शहर तथा पूरे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर आवश्यक पहल की जाएगी तथा नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने राजेंद्र जैन के सार्वजनिक जीवन, संगठनात्मक अनुभव और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि राज्यसभा में उनके प्रतिनिधित्व से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, महिला कार्यकर्ताओं, युवाओं तथा शहर और तालुका के बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, आत्मीयता और विकास की अपेक्षाओं से परिपूर्ण रहा।

विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

गोंदिया : विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गोंदिया पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्कूल बस ट्रांसपोर्ट कमेटी के गठन व सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. शुभारंभ मुख्य अतिथि राहुल सकपाल (असिस्टेंट इंस्पेक्टर ऑफ मोटर व्हीकल, डी.वाई.आर.टी.ओ., गोंदिया व मैकेनिकल इंजीनियर, मुंबई विश्वविद्यालय) के हस्ते दीप प्रज्वलन से हुआ. इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर व प्राचार्या नरगिस काजी ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया. इस अवसर पर राहुल सकपाल ने सभी बस चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा ही चालक का सर्वोच्च दायित्व है. । उन्होंने यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करने, वाहन का नियमित तकनीकी निरीक्षण कराने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित घर से विद्यालय और विद्यालय से घर पहुंचाने के लिए सदैव सजग व उत्तरदायी रहने का संदेश दिया. उन्होंने कहा कि सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता ही सुरक्षित परिवहन व्यवस्था की आधारशिला हैं. प्राचार्या नरगिस काजी ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा समय-समय पर ऐसे जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर परिवहन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा.

संपादकीय

युध्द फिर से सुरू

अमरीका और ईरान के दरमियान कथित युद्धविराम २०-२१ दिन ही टिक सका। अंततः बीती ८ जुलाई को तडके ३-४ बजे ही ईरान के ८० से ज्यादा ठिकानों पर अमरीका ने ताबड़तोड़ हमले कर उसे दहला दिया। खौफ, अस्थिरता और संभावित हमलों की एक लहर ने खाड़ी देशों में झनझनाहट पैदा कर दी। जो सामान्य होने की उम्मीद कर रहा था, उसे असामान्य हालात में झोंक दिया। विश्व कांप उठा। बेशक ये हमले अप्रत्याशित, अनसोचे थे। पलटवार में ईरान ने भी दावा किया है कि उसने कुवैत, बहरीन, सऊदी अरब, जॉर्डन में करीब ८५ ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए। बहरीन में अमरीकी नौसेना के ५वें बेड़े पर हमला किया गया। ओमान की खाड़ी में मौजूद अमरीकी जहाज को भी निशाना बनाकर क्षतिग्रस्त किया। बहरीन और कुवैत में बिजली की लाइन पर ऐसा हमला किया गया कि इलाका अंधेरे में डूब गया। अमरीकी सेना ने होर्मुज के पास ३ शहरों पर हवाई हमले कर उन्हें दहला दिया गया, जबकि १० से अधिक शहरों पर बम बरसाए गए। ईरान की महत्वपूर्ण बंदर अब्बास बंदरगाह की बिल्कुल तबाही की खबरें सामने आई हैं और वहां मौजूद कई जहाज क्षतिग्रस्त भी हुए हैं। हमलों में ईरान की आईआरजीसी की ६० से अधिक पॉवर बोट्स को भी तबाह करने का दावा किया गया है। ईरान के सैन्य ठिकानों, वायु रक्षा प्रणाली, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन के ठिकानों पर अमरीकी हमले किए गए। बुशहर के परमाणु केंद्र के पास भी विस्फोट किए गए। सिरिक बंदरगाह और केश्म द्वीप के तेल ठिकानों पर भी मिसाइलें मारी गईं। हमलों में ८ ईरानी सैनिक मारे गए हैं, यह भी खबर है। सारांश यह है कि ईरान युद्ध का एक और चरण थोपा जा रहा है। यह अहंकार और विनाश का युद्ध है। अमरीका ही नहीं, इजरायल ने भी ईरान पर हमले बोलने की तैयारियां कर ली हैं। वहां के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नया खुलासा किया है कि ईरान के पास 'राायनिक हथियार' हैं। ऐसे ही आरोप अमरीका ने इराक के तत्कालीन तानाशाह राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन पर लगाए थे कि इराक में जैविक, रासायनिक अस्त्र हैं, नतीजतन तबाही और मौतें व्यापक हो सकती हैं, लेकिन कुछ भी नहीं निकला और सद्दाम को फांसी पर लटका दिया गया।

बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान कर दिया है कि युद्धविराम समाप्त हो गया है। उन्होंने ईरानियों को सनकी, धोखेबाज, झूठे, नीच, क्रूर आदि करार दिया है। ट्रंप ने ये अपशब्द अंग्रेजी में बोले हैं। कितना निचला स्तर है अमरीकी राष्ट्रपति का! ट्रंप का मानना है कि ईरान का नेतृत्व गलत हाथों में है, लिहाजा उससे बातचीत करना और समझौते की उम्मीद करना 'वक्त की बर्बादी' है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अब वह ईरान के साथ कोई बातचीत नहीं करेंगे। अब ईरान कहर झेलने को तैयार रहे। हम ईरान के तटों को 'नरक' बना देंगे। ट्रंप इतने अनिश्चित, अस्थिर हैं कि उनके बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, लेकिन युद्धविराम के बाद युद्ध के उनके आदेश और ऐलान के बाद ही कच्चे तेल की कीमत ६ फीसदी उछल गई। अब तेल की कीमत करीब ७९ डॉलर प्रति बैरल हो गई है। दुनिया के लगभग सभी देशों के शेयर बाजार धड़ाम गिरे हैं। एकदम हाहाकार मचना शुरू हो गया है। यूरोपीय संघ ने परामर्श जारी किया है कि ३१ अगस्त तक ईरान-इराक वायु क्षेत्र में उड़ान न भरें। ईरान ने होर्मुज फिर बंद करने का ऐलान किया है, तो अमरीका ने फिर नाकेबंदी का आदेश दिया है। ईरान पर से जो पाबंदियां समझौते के सहमति-पत्र के तुरंत बाद उठा ली गई थीं, ७ जुलाई से फिर उन्हें थोप दिया गया है। अमरीका के वित्त विभाग ने जो छूट दी थी, उसे रद्द कर दिया गया है और लाइसेंस खारिज कर दिए गए हैं। शांति के समझौते की नियति यही है। होर्मुज में करीब ३५० जहाज-टैंकर फंस गए हैं, जिन पर करीब ६००० नाविक सवार हैं। भारत के भी ९ जहाज फंसे हैं, जिन पर १९८ नाविक मौजूद हैं। विदेश मंत्रालय ने सभी को 'सुरक्षित' माना है। भारतीय मुद्रा 'रुपया' ६३ पैसे टूटा है और एक डॉलर के मुकाबले ९५.५९ रुपए हो गया है। ये हमले तब किए गए हैं, जब ईरान अपने सुप्रीम लीडर रहे खामेनेई पर मातम मना रहा है। अमरीका ने देर रात ईरान पर १५० हमले किए। प्रमुख चाबहार बंदरगाह पर भी हमला किया गया है। युद्ध पूर्णतः छिड़ चुका है। ईरान ने भी दावा किया है कि उसने कई देशों में स्थित अमरीका के सैन्य अड्डों को निशाना बनाया है।

47 मामलों का वांटेड अंतरराज्यीय अपराधी पुलिस के कब्जे में

चंद्रपुर के 9 अपराधों का खुलासा, पुलिस ने लाखों रुपए का सामान बरामद किया

संवाददाता । चंद्रपुर/ बल्लारपुर

स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आंध्रप्रदेश के एक शातिर अंतरराज्यीय चोर को गिरफ्तार कर चंद्रपुर जिले में हुई छह सेंधमारी तथा तीन मोटरसाइकिल चोरी सहित कुल नौ मामलों का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने आरोपी से लगभग 4 लाख 65 हजार रुपए का माल बरामद किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान चिन्नाबाबू गोरेला (32), निवासी राजमहेंद्रवरम, आंध्रप्रदेश के रूप में हुई है.

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी रेलगाड़ी से विभिन्न शहरों में जाता था और रेलवे स्टेशन के आसपास से मोटरसाइकिल चोरी करता था. जांच में यह भी पता चला कि आरोपी के खिलाफ आंध्र प्रदेश के विभिन्न पुलिस थानों में 41 तथा तेलंगाना राज्य में 6, समेत कुल 47 सेंधमारी और चोरी के मामले पहले से दर्ज हैं.

बल्लारपुर पुलिस थाने में फरियादी रंजीता सिंगाराव ने 19 मई को अपने घर में हुई चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी. मामले की जांच के दौरान स्थानीय अपराध शाखा ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण तथा गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी का सुराग लगाया. बुधवार, 8 जुलाई 2026 को आंध्रप्रदेश के राजमहेंद्रवरम से आरोपी को हिरासत में लिया गया.

पूछताछ के दौरान आरोपी ने चंद्रपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में घरों में सेंधमारी और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की. उसकी निशानदेही पर बल्लारपुर, राजुरा, चंद्रपुर शहर तथा रामनगर पुलिस थानों में दर्ज कुल नौ मामलों का खुलासा हुआ.

ये कार्रवाई पुलिस अधीक्षक आयुष नोपानी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकड़े के मार्गदर्शन में स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक अमोल काचोरे, सहायक पुलिस निरीक्षक दीपक कांक्रेडवार, सहायक पुलिस निरीक्षक बलराम झाड़ोकार, बल्लारपुर के पुलिस निरीक्षक बिपीन इंगले, उपनिरीक्षक विक्की लोखंडे, स्वामीदास चालेकर, किशोर वैरागड़े, अजय बागेसर, शरद कुडे, गोपीनाथ नरोटे, शेखर माथनकर, वृषभ बारसिंगे तथा बल्लारपुर पुलिस थाने के हवलदार विकास जुमनाके एवं पुलिस आरक्षक वैभव गाडगे ने की.

इस तरह करता था चोरी

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी रेलगाड़ी से विभिन्न शहरों में जाता था और रेलवे स्टेशन के आसपास से मोटरसाइकिलों चोरी करता था. चोरी की मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल बंद पड़े मकानों की रेकी करने तथा उनमें सेंध लगाने में करता था. वारदात के बाद वह मोटरसाइकिल को फिर रेलवे स्टेशन के पास छोड़कर ट्रेन से अपने गृह राज्य लौट जाता था. अपनी पहचान छिपाने के लिए वह कैप, मास्क और कॉलेज बैग का इस्तेमाल करता था.

तीन बाइक तथा चांदी के आभूषण बरामद

पुलिस ने आरोपी से तीन मोटरसाइकिलें तथा चांदी के आभूषण बरामद किए हैं. इसके अलावा लगभग 3 लाख 20 हजार रु. मूल्य के सोने के आभूषण बरामद करने की प्रक्रिया जारी है. जांच में सामने आया है कि आरोपी ने चोरी के सोने के आभूषण आंध्रप्रदेश की एक गोल्ड कंपनी को बेच दिए थे. अब तक बरामद किए गए माल की कुल कीमत लगभग 4 लाख 65 हजार रुपए बताई गई है.

ब्रिक्स सम्मेलन के लिए संवारा जा रहा शहर

परदे की आड़ में क्या-क्या छिपाओगे?

नागपुर : ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों के सम्मेलन से पहले नागपुर शहर को चमकाने की कवायद अंतिम चरण में पहुंच गई है. विदेशी प्रतिनिधियों के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने वीआईपी मार्गों पर सड़क मरम्मत, सफाई, रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण का अभियान तेज कर दिया है. एयरपोर्ट से होटल और सम्मेलन स्थल तक जाने वाले मार्गों को विशेष रूप से संवारा जा रहा है, ताकि शहर की सकारात्मक और व्यवस्थित छवि मेहमानों के सामने प्रस्तुत की जा सके.

संभागायुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी ने समीक्षा बैठक में सभी विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं. जिला प्रशासन, मनपा, सार्वजनिक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, महा मेट्रो, पुलिस और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से तैयारियों में जुटी हैं. सम्मेलन के दौरान सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा सुविधा और प्रोटोकॉल व्यवस्था को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है.

इस बीच शहर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है. वर्धा रोड सहित कई वीआईपी मार्गों पर गंदगी और अधूरे निर्माण कार्यों को विदेशी मेहमानों की नजरों से दूर रखने के लिए पर्दे लगाए गए हैं. कई स्थानों पर बड़े-बड़े होर्डिंग और बैनर लगाकर निर्माणाधीन हिस्सों को ढंका गया है. वहीं सड़कों पर

सफेद पट्टियों की नई पेंटिंग की जा रही है और डिवाइडरों पर ताजा रंग चढ़ाया जा रहा है. फुटपाथों की सफाई, हरियाली संवर्धन और स्ट्रीट लाइटों की जांच भी युद्धस्तर पर जारी है.

शहर में तेज गति से चल रहे इन कार्यों को लेकर नागरिकों के बीच भी चर्चा है. लोगों का कहना है कि यदि सड़कों की मरम्मत, सफाई और सौंदर्यीकरण का यही स्तर पूरे वर्ष बनाए रखा जाए तो इसका लाभ केवल विदेशी मेहमानों को ही नहीं, बल्कि नागपुर के नागरिकों को भी मिलेगा.

शहर के बाहर दौड़ेंगे भारी वाहन, बनेगा 23 किमी बायपास

भारी यातायात का दबाव होगा कम, परियोजना से बदलेगी गढ़चिरोली शहर की तस्वीर

गढ़चिरोली : तेजी से बढ़ रहे औद्योगिकीकरण के कारण जिले के मुख्यालय में उत्पन्न होने वाली भारी यातायात की समस्या जल्द ही हल होने वाली है. मुख्यमंत्री और जिले के पालक मंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशानुसार, सार्वजनिक निर्माण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण की ओर से गढ़चिरोली शहर के लिए 23 किलोमीटर लंबी चौड़ी बायपास सड़क प्रस्तावित की गई है. बायपास से गढ़चिरोली शहर का रूप बदलने वाला साबित होगा. व्यापार और यातायात के लिए इसे बड़ा कदम माना जा रहा है.

गढ़चिरोली जिला मुख्यालय में दिन ब दिन बढ़ रहा शहरीकरण और उद्योगों के कारण शहर के अंदर होने वाली यातायात बढ़ गई हैं. जिसके चलते कही बार शहर में विविध मार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ने लगी हैं. इसी जाम की समस्या से बचने के लिए यह बायपास मार्ग बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा. यह नियोजित बायपास मार्ग गढ़चिरोली शहर से लगभग 5 से 6 किलोमीटर की दूरी पर बनाया जाएगा और भविष्य के 25 से 30 वर्षों की बढ़ती यातायात को ध्यान में रखकर इसकी योजना बनाई गई है. भारी वाहन सीधे शहर के बाहर से गुजरेंगे, जिससे शहर के अंदर यातायात सुरक्षित और बिना रुकावट के बने रहने में मदद मिलेगी.

अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्ताव दिल्ली में

नियोजित बायपास के अंतिम अलाइनमेंट पर 9 जुलाई को विस्तार से चर्चा की गई. इस दौरान मौजूद अधिकारियों ने कुछ तकनीकी सुधार सुझाए, और जिलाधिकारी अविश्यांत पंडा ने सुधारित प्रस्ताव को तुरंत केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को अंतिम मंजूरी के लिए पेश करने का निर्देश दिया. अपर जिलाधिकारी नितिन गावंडे, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रफुल्ल केलकर, नगर पालिका प्रशासन अधिकारी अर्चना मेंढे, मुख्याधिकारी सूर्यकांत पिदुरकर के साथ विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे.

लेट नाइट अपडेट

अगरबत्ती फैक्ट्री में भीषण आग

नागपुर : पुराने कामठी रोड पर शिवशक्ति बीयर बार के पास स्थित पूर्णिमा अगरबत्ती फैक्ट्री में शनिवार देर रात भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई. आग इतनी विकराल थी कि दूर-दूर तक धुएं का घना गुबार दिखाई देने लगा. आग की सूचना मिलते ही आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई.

दमकल विभाग को सूचना मिलते ही रात करीब 12 बजे तत्काल कार्रवाई शुरू की गई. विभाग के अनुसार आग पर काबू पाने के लिए करीब 6 दमकल वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया. दमकल कर्मियों ने कई घंटे तक लगातार पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोका और उसे नियंत्रित करने का प्रयास किया. प्राथमिक जानकारी के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. हालांकि फैक्ट्री में रखे कच्चे माल और तैयार अगरबत्तियों सहित अन्य सामान को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है. देर रात तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका.

मुनगंटीवार के प्रयासों से चंद्रपुर में सरकारी बीएससी नर्सिंग कॉलेज को मंजूरी

संवाददाता । चंद्रपुर

चंद्रपुर स्थित कर्मवीर कन्नमवार सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में सरकारी बीएससी नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जाएगी. इसकी वार्षिक प्रवेश क्षमता 100 विद्यार्थियों की होगी.

विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने चंद्रपुर में सरकारी बीएससी नर्सिंग कॉलेज शुरू करने के लिए चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ से लगातार संपर्क बनाए रखा. 29 सितंबर, 2025 को उन्होंने एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया था और चंद्रपुर स्थित कर्मवीर मा. सा. कन्नमवार सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में 100 छात्रों की वार्षिक प्रवेश क्षमता वाले सरकारी बीएससी नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की पुरजोर मांग रखी थी. उनके निरंतर प्रयासों का फल मिला है और सरकार ने चंद्रपुर में सरकारी बीएससी नर्सिंग कॉलेज की स्थापना का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है.

इस निर्णय से चंद्रपुर में स्थापित होने वाला सरकारी बीएससी नर्सिंग कॉलेज स्वास्थ्य शिक्षा के बुनियादी ढांचे को अधिक कुशल बनाएगा और प्रशिक्षित नर्सों के उत्पादन के लिए आवश्यक शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करेगा. परिणामस्वरूप, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को भी काफी मजबूती मिलेगी. इससे चंद्रपुर और आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा.

जिले में प्रशिक्षित नर्सों की उपलब्धता बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवा को भी काफी प्रोत्साहन मिलेगा. स्थानीय छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा के नए अवसर खुलेंगे. सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को भी काफी मजबूती मिलेगी.

सीएसटीपीएस के आधुनिकीकरण के लिए डीपीआर तैयार किया जाएगा

चंद्रपुर : चंद्रपुर थर्मल पावर प्लांट में हाल ही में हुई आग की घटना के मद्देनजर विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने विधानसभा में वहां के बुनियादी ढांचे के व्यापक आधुनिकीकरण का मुद्दा प्रभावी ढंग से उठाया। अग्निशमन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, आग लगने के 32 मिनट के भीतर दमकलकर्मी मौके पर पहुंच गए थे, लेकिन उन्होंने सदन को बताया कि संकरी और गड्ढों वाली सड़कों, पुराने सिस्टम और जर्जर कर्मचारी आवासों के कारण भविष्य में पावर प्लांट क्षेत्र में बड़ी

दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। इस मांग को गंभीरता से लेते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सदन में घोषणा की कि पूरी परियोजना का तकनीकी परीक्षण किया जाएगा और सभी आवश्यक कार्यों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी।

विधानसभा में बोलते हुए मुनगंटीवार ने कहा कि चंद्रपुर थर्मल पावर प्लांट को बने लगभग 45 से 46 साल हो चुके हैं और उसके बाद विभिन्न चरणों में कई संयंत्र बनाए गए। उस समय का बुनियादी ढांचा अब पुराना हो चुका है। हालांकि अग्निशमन विभाग ने समय पर कार्रवाई की, लेकिन इलाके की संकरी सड़कें और गड्ढे आपातकालीन सेवाओं को घटनास्थल तक पहुंचने में कठिनाई पैदा करते हैं। मुनगंटीवार ने चिंता व्यक्त की कि भविष्य में अगर ऐसी आग बड़े पैमाने पर फैलती है तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस ने स्वीकार किया कि विधायक सुधीर मुनगंटीवार द्वारा उठाया गया मुद्दा अत्यंत गंभीर और महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आग कन्वेयर बेल्ट मार्ग के किनारे वाले क्षेत्र में लगी थी। सौभाग्य से, कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने वहां के पुराने बुनियादी ढांचे पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता को उजागर किया है। सभी आवश्यक पहलुओं की विस्तृत डीपीआर तैयार की जाएगी।

१५ वर्षीय किशोरी का ३२ साल के युवक से बाल विवाह

संवाददाता । नागपूर

जिले के पिटीसूर गांव में 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी का उसकी इच्छा के खिलाफ 32 वर्षीय युवक से बाल विवाह कराने की कोशिश को पुलिस और जिला बाल संरक्षण विभाग ने नाकाम किया. विवाह होने से पहले समय रहते हुई कार्रवाई से किशोरी को सुरक्षित रेस्क्यू कर उसका भविष्य तबाह होने से बचाया गया.

बाल संरक्षण अधिकारियों को गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस और जिला बाल संरक्षण विभाग की टीम ने तत्काल संयुक्त छापेमारी की. इस दौरान किशोरी के दस्तावेजों की जांच करने पर लड़की नाबालिग होने की पुष्टि हुई. जिसके बाद टीम ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए बाल विवाह रुकवाया और किशोरी को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया. इसके बाद उसकी काउंसलिंग कराई गई तथा सुरक्षा और पुनर्वास के उद्देश्य से उसे बाल गृह में भेजा गया. अब संबंधित विभाग उसकी शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए आगे की आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर रहा है.

इस मामले में संबंधित अभिभावकों और अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ बाल विवाह प्रतिबंधक अधिनियम 2006 की धाराओं व कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. यह कार्रवाई जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुनील मेसरे के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मुस्ताक पठान, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ललिता तोडासे, पुलिस उपनिरीक्षक अपूर्वा बोरकर, बाल संरक्षण अधिकारी साधना ठोंबरे, चाइल्ड प्रतिनिधि मीनाक्षी धडाडे और पुलिस कांस्टेबल नामदेव की टीम ने की.

पतसंस्था में 1.42 करोड़ की धोखाधड़ी, अध्यक्ष पर केस दर्ज

संवाददाता । वर्धा

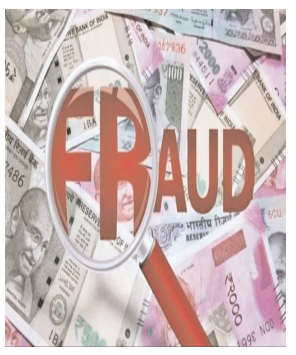

शहर स्थित वर्धा मर्चेंट नागरी सहकारी पतसंस्था मर्यादित में करोड़ों रुपए की वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है. पुलिस ने संस्था के अध्यक्ष भीमराव उर्फ भीमा शंभरकर के खिलाफ 1 करोड़ 42 लाख 90 हजार 975 रुपए की धोखाधड़ी, के आरोप में मामला दर्ज किया है. आरोपी फिलहाल फरार बताया गया है.

शिकायतकर्ता दिनेश थूल (49) भूमि खरीद-बिक्री का व्यवसाय करते हैं. दस वर्षों से वे उदय सिंह भदौरिया, नरेंद्र कापसे और सुनील बिसेन के साथ कारोबार कर रहे हैं. 2025 में ग्राम पंचायत सावंगी मेघे के सदस्य रहे भीमराव शंभरकर ने उन्हें सलाह दी कि प्लॉट बिक्री की राशि अलग-अलग खातों में रखने के बजाय उनकी पतसंस्था में संयुक्त खाता खोलकर जमा करें. जिससे चारों साझेदारों ने 25 नवंबर 2025 को संयुक्त बचत खाता खोलकर प्लॉट बिक्री की राशि उसी खाते में जमा कराना शुरू कर दिया. 5 मई 2026 तक उनके खाते में 28 लाख 15 हजार 577 रुपए जमा थे. लेकिन 15 मई को जब वे राशि निकालने पहुंचे तो कर्मचारियों ने संस्था में पैसे उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर भुगतान करने से इनकार कर दिया.

शंभरकर ने पहले एक सप्ताह का समय मांगकर भुगतान का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में कई बार संपर्क करने पर भी राशि वापस नहीं की. पुलिस जांच में पता चला कि केवल शिकायतकर्ता ही नहीं, बल्कि कई अन्य खाताधारकों को भी उनकी जमा राशि वापस नहीं मिल रही है. शिकायत के अनुसार प्रभावित खाताधारकों में सुखसेन वासेकर 15 लाख, दिनेश थूल 28.15 लाख, भीमराव गावंडे 28 लाख, रजनी लोहकरे 15.03 लाख, अनिकेत लोहकरे 10 लाख, कुणाल नवघरे 10 लाख, विशाल कांबले 11.90 लाख, सुमेध डोफे 5.50 लाख, मधुकर भगत 4.66 लाख, सुनील गावंडे 3.25 लाख, शुभांगी पाटिल 1 लाख, सुधीर पडसपगार 4.36 लाख, वैभव नगराले 1.05 लाख, स्वाति वानखेड़े 4 लाख तथा सुधांशु कांबले के 1 लाख रुपए शामिल हैं. इन 15 खाताधारकों की कुल जमा राशि 1 करोड़ 42 लाख 90 हजार 975 रुपए बताई गई है.

अब बंदूक नहीं, भरोसे के साथ गांव पहुंच रही पुलिस

नक्सल प्रभावित गांवों में पुलिस ने योजनाओं का किया प्रचार-प्रसार

कोरची : गढ़चिरोली पुलिस बल नक्सल विरोधी अभियान, सुरक्षा के साथ-साथ अब शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दूर-दराज के ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए 'ग्रामभेट' मुहिम शुरू कर दी है. इस दौरान ग्रामीणों के साथ संवाद कर योजनाओं की जानकारी देकर लाभ उठाने की अपील की जा रही है.

कोरची तहसील के अति-दुर्गम क्षेत्र के ग्राम प्रतापगढ़ (गांगीन) और एडजाल गांवों में कोटगुल पुलिस 9 जुलाई को गांव का दौरा किया और गढ़चिरोली जिला पुलिस की पुलिस दादालोरा खिड़की पहलकदमी के तहत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और जनजागरुकता की गई. ये दोनों गांव बहुत दुर्गम और घने जंगल में होने

के कारण शासन की बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने में कई कठिनाइयां आती हैं. पहले इस इलाके में नक्सलवादियों की बड़ी संख्या में गतिविधियां चलती थीं, इसलिए इन गांवों को संवेदनशील माना जाता था. लेकिन अब पुलिस-प्रशासन की लोकमुखी पहलकदमियों की वजह से ग्रामीणों का विश्वास बढ़ता दिखाई दे रहा है. इस मुहिम में ग्राम कोटगुल थाने के प्रभारी अधिकारी कृष्णा सोलंके, जिले के पुलिस अमलदार और एसआरपीएफ के जवान शामिल हुए थे. प्रतापगढ़ (गांगीन) में लगभग 35 से 40, जबकि एडजाल में 10 से 15 नागरिक मौजूद थे और पुलिस ने उनसे संवाद किया.

कोटगुल में 17 जुलाई को कृषि सम्मेलन

पुलिस दादालोरा खिड़की के तहत चलाए जाने वाले विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं की जानकारी, नशामुक्त गांव, कृषि संबंधित जानकारी देने के लिए ग्राम कोटगुल में 17 जुलाई को आयोजित कृषि सम्मेलन की जानकारी दी गई और किसानों व नागरिकों से उपस्थित रहने की अपील पुलिस अधिकारी कृष्णा सोलंके द्वारा की गई.

आपदा प्रबंधन के बारे में भी मार्गदर्शन किया

बारिश के मौसम की पृष्ठभूमि में आपदा प्रबंधन के बारे में भी पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को मार्गदर्शन किया. नदी-नाले में नहाने या तैरने नहीं जाने की, संभावित दुर्घटनाओं से बचने के लिए जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की गई. साथ ही गांव में तैरने वाले नागरिकों की जानकारी भी एकत्र की गई. दुर्गम इलाकों के नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें सरकार की योजनाओं से जोड़ने और जिला पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने का ही इस 'ग्रामभेट' यात्रा का मुख्य उद्देश्य होने की जानकारी ग्रामीणों को दी गई.

शालाबाह्य बच्चों की होगी खोज

जिले में 15 से 31 जुलाई दौरान चलेगी विशेष मुहिम, दो वर्ष 39 बालकों को दिया गया प्रवेश

संवाददाता । वर्धा

शालाबाह्य, अनियमीत व स्थनांतरित बालकों को शिक्षा की प्रमुख धारा में लाने जिले में 15 से 31 जुलाई दौरान शालाबाह्य बालकों का सर्वेक्षण किया जाना है. जिले के दुर्गम व बस्ती क्षेत्र में खोज मुहिम चलाते हुए इन बालकों को नजदिकी स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा. पिछले दो वर्षों जिले में 39 शालाबाह्य विद्यार्थियों की खोज कर उन्हें स्कूलों में प्रवेश दिया गया.

एक भी बालक शालाबाह्य न रहे, इस उद्देश्य से जिला व तहसील स्तर के शिक्षा विभाग अधिनस्त होने वाले सभी अधिकारी व कर्मचारी एवं महिला व बाल विकास प्रकल्प अंतर्गत सेवारत

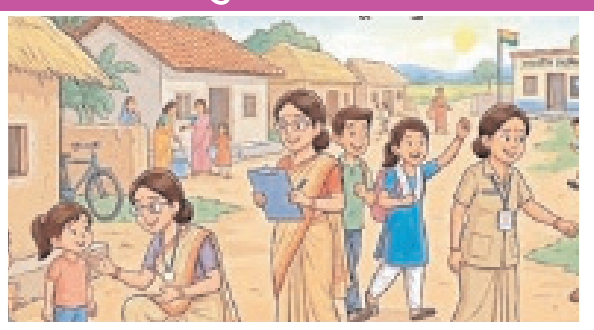

कर्मचारी 15 जुलाई से सर्वेक्षण के काम में जुटेंगे, ऐसा बताया गया. जिले में विविध कारणों से कई विद्यार्थी शालाबाह्य दिखाई देते हैं. पहले दीपावली दौरान यह सर्वेक्षण किया जाता था. परंतु आधा शैक्षणिक सत्र खत्म होने पर इन विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता था. इससे उनका शैक्षणिक नुकसान होता है. इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने शैक्षणिक सत्र के शुरुवाती दिनों में ही विद्यार्थी खोज मुहिम चलाने का निर्णय लिया है.

इस मुहिम में प्रमुख रुप से पंचायत समिति अंतर्गत आने वाले निजी प्रबंधन की स्कूलों के मुख्याध्यापक, पंचायत समिति अंतर्गत आने वाली स्कूलों के विस्तार अधिकारी, केंद्र प्रमुख, गुट साधन केंद्र स्तर के कर्मचारी, एवं सरकार से संबंधित विविध विभागों के समन्वय से यह मुहिम चलायी जानी है. इस मुहिम द्वारा किये गए सर्वेक्षण की जानकारी प्रतिदिन जिला परिषद के शिक्षा विभाग को पेश करनी है. इस कार्य में दुर्लक्ष व लापरवाही नहीं होगी, इस ओर ध्यान देना है. इस संदर्भ में उचित दिशानिर्देश पंस के गुटशिक्षाधिकारी को जारी किये गए है. शालाबाह्य विद्यार्थी खोज मुहिम चलाने से पहले बाल विकास प्रकल्प अधिकारी, केंद्र प्रमुख, मुख्याध्यापक, अंगणवाडी पर्यवेक्षिका की सभा ली जाए, ऐसा भी सूचित किया गया. सर्वेक्षण दौरान सरकार द्वारा दिये गए निर्देशो का पालन कर एक भी विद्यार्थी शालाबाह्य न रहे, इसका ध्यान रखे, ऐसा भी जिप के शिक्षा विभाग ने अपने पत्र में कहा है.

गुट साधन केंद्र में चलायी जाती है शालाबाह्य छात्रों की खोज मुहिम

अध्ययन का बाल अधिकार अधिनियमानुसार एक भी बालक शालाबाह्य न रहे, ऐसी नीति है. बावजुद इसके प्रतिवर्ष शैक्षणिक सत्र शुरुवाती दिनों में गुट साधन केंद्र से शालाबाह्य विद्यार्थियों की खोज मुहिम चलायी जाती है. इसमें बड़ी मात्रा में विद्यार्थी पाये जाते हैं. वर्ष 2024 में 29 तो, 2025 में 10 कुल 39 शालाबाह्य विद्यार्थी पाये गए थे. प्रशासन ने अंगणवाडी केंद्र से आयु के छह वर्ष पूर्ण करने वाले बालकों का प्रवेश पहली कक्षा में हुआ या नहीं, इसकी जांच करना जरूरी है. ताकि कोई भी बालक शालाबाह्य न रहे, इस संदर्भ में गंभीरता बरतनी जरूरी है.

बेवक्त पहुंच रही बस यात्री व छात्र परेशान

संवाददाता । आर्वी

आर्वी से सर्कसपुर मार्ग पर चलने वाली राज्य परिवहन (एसटी) बस सेवा का समय बदलने से ग्रामीण विद्यार्थियों और आम यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बस के अनियमित संचालन के कारण दर्जनों विद्यार्थी समय पर विद्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है. सामाजिक कार्यकर्ता निखिल कडू ने पुराने समय सारिणी को तत्काल बहाल करने की मांग की है.

आर्वी-सर्कसपुर बस का बदला समय

जानकारी के अनुसार, आर्वी-सर्कसपुर मार्ग पर वर्षों से सुबह 6 बजे, सुबह 10 बजे और शाम 5 बजे एसटी बस का नियमित संचालन होता था. सुबह 10 बजे आर्वी से चलने वाली बस लगभग 10.30 बजे सर्कसपुर पहुंचती थी, जिससे विद्यार्थी समय पर स्कूल पहुंच जाते थे. लेकिन नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के बाद यह बस दोपहर 12 बजे के बाद गांव पहुंच रही है. ऐसे में विद्यालय का समय निकल जाने से कई विद्यार्थी निराश होकर घर लौट रहे हैं, जिससे उनका शैक्षणिक नुकसान हो रहा है.

सर्कसपुर गांव के लगभग 38 तथा समीपस्थ टोणा गांव के 10 से 12 विद्यार्थी प्रतिदिन इस बस सेवा पर निर्भर हैं. लगातार हो रही परेशानी को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता निखिल कडू ने एसटी विभाग के प्रबंधक से मुलाकात कर विद्यार्थियों की समस्या से अवगत कराया. प्रबंधक ने अगले दिन से बस समय पर चलाने का आश्वासन दिया था, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ.

चोरी के २ वाहन बरामद

दोपहिया चोरी के 2 मामलों का किया खुलासा

संवाददाता । वर्धा

वर्धा शहर पुलिस ने दोपहिया चोरी के दो मामलों का खुलासा किया. चोर से दोनों वाहन जब्त कर लिये गए. समतानगर निवासी धर्मपाल पाटिल की दोपहिया क्रमांक एमएच 32 एजी 3999 किसी ने बजाज चौराहे से चुराई थी. प्रकरण में मामला दर्ज होते ही पुलिस ने चोर की खोज शुरू कर दी.

थानेदार नागेशकुमार चतरकर के निर्देश पर डीबी दल ने परिसर के सीसीटीवी खंगाले. खुपिया जानकारी के आधार पर तथा अमरावती पुलिस की मदद से आरोपी सैय्यद दानिश अली सैय्यद जावेद अली (27) निवासी आजदनगर (अमरावती) को हिरासत में लिया गया. आरोपी से दोपहिया वाहन जब्त कर लिया गया. न्यायालय से उसकी तीन दिन की पुलिस कस्टडी प्राप्त की. ढाई माह पहले आरोपी ने जेल रोड

से दोपहिया क्रमांक एमएच 27 बीडी 7880 चुराने की बात कबूली थी. इस संदर्भ में समतानगर निवासी विजय रामटेके ने थाने में शिकायत दर्ज करायी थी. पुलिस ने आरोपी से एमएच 27 बीडी 7880 क्रमांक की दोपहिया बरामद की. इस प्रकार दो वाहन कुल 70 हजार रुपयों का माल जब्त किया गया. इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक सदाशिव वाघमारे, डीवाईएसपी सुनील महाडीक के मार्गदर्शन में थानेदार नागेशकुमार चतरकर के निर्देश पर डीबी दल के पीएसआई शरद गायकवाड, पुलिसकर्मी राजेंद्र हाडके, प्रशांत वंजारी, नरेंद्र कांबले, वैभव जाधव, श्रावण पवार, राजेश डाल, संतोष ईघरे, चेतन दुबे आदि ने अंजाम दिया.

मोकासा लिफ्ट सिंचाई योजना भगवान भरोसे

चामोर्शी : तलोधी मोकासा लिफ्ट सिंचाई योजना पर शासन द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर अत्याधुनिक पंप हाउस, मशीनरी और अन्य आवश्यक संरचनाओं का निर्माण किया गया है. लेकिन इतने महत्वपूर्ण परियोजना स्थल पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था का अभाव सामने आया है. परियोजना में सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं होने से करोड़ों रुपये की मशीनरी, विद्युत उपकरणों और अन्य सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. स्थल के निरीक्षण के दौरान

परियोजना परिसर में कोई भी सुरक्षा कर्मी मौजूद नहीं मिला. पंप हाउस परिसर में प्रवेश के लिए भी कोई प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था दिखाई नहीं दी. ऐसे में असामाजिक तत्वों द्वारा चोरी, तोड़फोड़ या किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना को बिना पर्याप्त सुरक्षा के छोड़ दिए जाने पर स्थानीय नागरिकों ने नाराजगी व्यक्त की है. उनका कहना है कि, इतनी बड़ी सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है. बताया जाता है कि, इस लिफ्ट सिंचाई योजना से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई की बड़ी सुविधा मिलने वाली है.

शमशानभूमि जाने वाला मार्ग गायब

संवाददाता । गड़चिरोली

10 वर्ष पहले जिला परिषद के माध्यम से शमशानभूमि के विकास की योजना स्वतंत्र रूप से चलाई गयी थी. बावजूद इसके जिले के सैकड़ों गांवों में शमशानभूमि तक पहुंचने के लिये पक्की सड़क ही नहीं है. जहां पर सड़क बनाए गए थे. वह सड़कें अतिक्रमण के चलते गायब हो गई हैं. जिसके कारण बारिश के दिनों में अंतिम संस्कार करने के लिए जानेवाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. जिले के अधिकत्तर गांवों में शमशानभूमि के लिये जगह आरक्षित है. लेकिन वहां पर सरकार द्वारा अब तक सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गयी है. जिसका खामियाजा ग्रामीणों को असुविधा के बीच अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है. शमशानभूमि का विकास योजना अंतर्गत अनेक शमशानभूमि में 10 वर्ष पहले टिन के शेड निर्माण किए गए थे. लेकिन उक्त कार्य घटिया दर्जे का किये जाने के कारण टिन के शेड कुछ ही दिनों में उड़कर केवल सीमेंट-कांक्रीट का चबूतरा शेष है. वहीं शमशानभूमि के परिसर में हैन्डपंप लगाया गया था.

जुआ अड्डे पर पुलिस की छापामार कार्रवाई

5 अरेस्ट, 3.64 लाख का माल जब्त

संवाददाता । वर्धा

चोरीछुपे खेले जा रहे जुआ अड्डे पर सावंगी मेघे पुलिस ने छापा मारा. इस कार्रवाई में पांच जुआरियों को रंगेहाथ हिरासत में लिया गया. मौके से नकद व पांच दोपहिया वाहन समेत कुल 3 लाख 64 हजार का माल बरामद किया गया. सावंगी पुलिस को सालोड हिरापुर के स्मशानभूमि परिसर में पेड़ के नीचे जुआ खेला जा रहा है, ऐसी जानकारी मिली.

इसके आधार पर टीम ने मौके

पर छापा मारा. जहां बोरगांव के गणेशनगर निवासी मिथुन गोपाल येरेकार (37), सालोड हिरापुर निवासी प्रदिप देवराव ठाकरे (33), विकास अशोक बदरीया (37), फिरोजखान पठाण बब्बू खान पठाण (40) व सावंगी मेघे निवासी कुणाल किशोर खेवले (25) को हिरासत में लिया गया. मौके से 52 ताशपत्ती, नकद 4 हजार 440 रुपये व पांच दोपहिया वाहन समेत कुल 3 लाख 64 हजार 490 रुपयों का माल बरामद किया गया.

पांचों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है. इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक सदाशिव वाघमारे, डीवाईएसपी सुनील महाडीक के मार्गदर्शन में थानेदार विनोद गिरी, कर्मचारी संजय पंचभाई, विरेंद्र कांबले, अनिल वैद्य, विलास भेंडे, निखील फुटाणे, हर्षवर्धन मून, अमोल जाधव आदि ने अंजाम दिया

SIR कार्य में बरती गई भारी लापरवाही

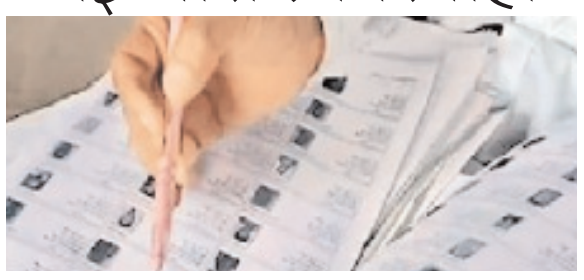

वर्धा : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के दौरान कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में वर्धा नगर परिषद के कर संग्राहक एवं बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) नरेश रेवते के खिलाफ वर्धा पुलिस थाने में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है. निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 30 जून से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू किया गया है. इस अभियान के तहत घर घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन, पंजीकरण प्रपत्रों का संकलन, डिजिटाइजेशन तथा निर्धारित समय सीमा में उनका वितरण सुनिश्चित करने की संबंधित जिम्मेदारी बीएलओ को सौंपी गई है. वर्धा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-47 के मतदाता सूची भाग क्रमांक-270 में बीएलओ के रूप में कार्यरत नरेश रेवते को यह दायित्व सौंपा गया था.

निर्वाचन विभाग द्वारा अभियान की प्रतिदिन समीक्षा किए जाने के दौरान संबंधित क्षेत्र में अपेक्षित कार्य नहीं किए जाने का मामला सामने आया. प्रशासन की ओर से नरेश रेवते को तीन बार नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण भी मांगा गया, लेकिन इसके बावजूद उनके कार्य में कोई सुधार नहीं पाया गया. इसके बाद उनके खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत वर्धा पुलिस थाने में आपराधिक मामला दर्ज किया गया. उपविभागीय अधिकारी एवं वर्धा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-47 के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी दीपक कारंडे ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

सुगंधित तमाकू समेत १०.७२ लाख का माल किया गया जब्त

गड़चिरोली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता । गड़चिरोली

राज्य सरकार प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू तथा गुटखा मिश्रित उत्पादों की बिक्री और तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक इनोवा कार सहित कुल 10 लाख 72 हजार रुपये का प्रतिबंधित माल जब्त किया है.

यह कार्रवाई उपविभागीय पुलिस अधिकारी राहुल मडावी के मार्गदर्शन में की गई. 8 जुलाई को एक सफेद रंग की इनोवा कार जिमलगट्टा से देवलीपेठा की ओर प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू लेकर जाने वाली है. सूचना के आधार पर पुलिस ने जिमलगट्टा क्षेत्र में नाकाबंदी कर एम. एच. 24-एएफ-1901 क्रमांक के वाहन को रोका और

उसकी तलाशी ली. तलाशी के दौरान वाहन से 'माजा 108 हुक्का शीशी तंबाकू' के 100 डिब्बे तथा 'होला हुक्का शीशी तंबाकू' के 40 पैकेट बरामद किए गए. जब्त सामग्री में 80 बड़े डिब्बे (कीमत 96 हजार रुपये), 20 छोटे डिब्बे (कीमत 24 हजार रुपये), होला हुक्का शीशी तंबाकू के 40 पैकेट (कीमत 80 हजार रुपये) तथा परिवहन में प्रयुक्त इनोवा कार (अनुमानित कीमत 8 लाख रुपये) शामिल है. इस प्रकार कुल 10 लाख 72 हजार रुपये का माल जब्त किया गया. इस मामले में गड़चिरोली निवासी प्रशांत अंजया याडावार (45) को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ प्रतिबंधित तंबाकूजन्य पदार्थों के अवैध परिवहन का मामला दर्ज किया गया है.

प्रस्ताव को ग्रामीणों

संवाददाता । चामोर्शी

येनापुर राजस्व मंडल के अंतर्गत आने वाले अड्याल, रश्मीपुर, किष्टापुर और सगनापुर गांवों को प्रस्तावित अप्पर तहसील आष्टी में शामिल किए जाने के प्रस्ताव का ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया है. इस संबंध में ग्रामीणों ने चामोर्शी के उपविभागीय अधिकारी को लिखित आपत्ति आवेदन सौंपकर इन गांवों को चामोर्शी तहसील में ही रखने की मांग की है.

ग्रामीणों ने ज्ञापन में कहां कि, 23 जून 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार येनापुर राजस्व मंडल के कुछ गांवों को

अप्पर तहसील आष्टी में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया है. लेकिन संबंधित चारों गांवों के लोगों का दैनिक जीवन, बाजार, बैंकिंग सेवाएं, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा विभिन्न शासकीय कार्यालयों से जुड़ा अधिकांश कार्य चामोर्शी में ही होता है. अड्याल से आष्टी की दूरी लगभग 19 किलोमीटर है, जबकि चामोर्शी मात्र 12 किलोमीटर दूर स्थित है. ऐसे में सभी शासकीय एवं आवश्यक कार्यों के लिए चामोर्शी जाना अधिक सुविधाजनक है. यदि इन गांवों को अप्पर तहसील आष्टी में शामिल किया जाता है, तो लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा.

कृषि उपज की बिक्री, बैंकिंग कार्य, स्वास्थ्य सेवाएं, सरकारी कार्यालयों से जुड़े कार्य तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए इन गांवों का वर्षों से चामोर्शी से सीधा संबंध रहा है. इसलिए ग्रामीणों की भावनाओं और व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अड्याल, रश्मीपुर, किष्टापुर और सगनापुर गांवों को चामोर्शी तहसील में ही रखने की मांग की गई है. ज्ञापन सौंपते समय निकेश गड्डेडवार, सुभाष मडावी, सुनील कोसनकर, अशोक धानफले समेत ग्रामीण बडी संख्या में उपस्थित थे.

वाहनों के हॉर्न से बढ़ा ध्वनि प्रदूषण

संवाददाता / गड़चिरोली

इन दिनों में शहर में तेजी से दौड़ रही वाहनों के हार्न की आवाजों से शहर की शांतता भंग होते दिखाई दे रही है. वहीं दूसरी ओर दुर्घटना की संभावना भी जताई जा रही है. प्रतिदिन ध्वनि प्रदूषण शुरू होते हुए भी यातायात विभाग द्वारा वाहन चालकों के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई होते नहीं दिखाई दे रही है. जिससे शहरवासियों में तीव्र नाराजगी व्यक्त की जा रही है. पर्यावरण संरक्षण कानून व मोटर वाहन कानून नुसार वित्तीय जुर्माने का प्रावधान है. जिससे लाऊड्सस्पीकर समेत जीस माध्यम से ध्वनि प्रदूषण होता है, ऐसे सभी माध्यमों को यह कानून लागू है. लेकिन ध्वनि प्रदूषण कानून लागू होते हुए भी शहर में ध्वनि प्रदूषण का स्तर गिनने वाली यंत्रणा नहीं है.

वाहन चालकों पर कार्रवाई को लेकर यातायात विभाग उदासीन

जिसका खामियाजा शहर के वाहन बेखौफ होकर चलाने के साथ ही वाहनों के हार्न के आवाजों का नागरिकों को सामना करना पड़ रहा है. कर्णकर्कश व विभिन्न आवाज निकालने वाले दोपहियाओं के साइलेन्सर, हॉर्न लगाने वाले दोपहिया और चौपहिया वाहनों पर कार्रवाई होते नहीं दिखाई दे रही है. जिससे ऐसे वाहनधारकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग शहर के नागरिकों ने की है. ध्वनि प्रदूषण समेत अनेक युवक दोपहिया बिनदास्त तरीके से चला रहे है. तेज रफ्तार दोपहिया समेत कर्णकर्कश आवाज के चलते नागरिकों को मानसिक परेशानी उठानी पड़ रही है. इन मनचले युवाओं के दोपहियाओं के चलते दुर्घटना होने की संभावना जताई जा रही है विशेषतः युवाओं में धूम स्टाइल दोपहिया चलाने का क्रेज काफी बढ़ गया है. जिससे आवागमन करने वाले नागरिकों को त्रासदि का सामना करना पड़ रहा है.

कानून पर अमल करना जरूरी शहर के मुख्य मागों से आवागमन करने वाले दोपहिया, चौपहिया और भारी वाहन चालकों इन दिनों में दहशत निर्माण हो गयी है. दिन व रात के समय ध्वनि प्रदूषण का स्तर कितना हो? यह पर्यावरण संरक्षण कानून ने निश्चित किया है. इसका उल्लघंन करने वाले वाहनधारकों को कैद व मोटरवाहन कानून नुसार जुर्माने का प्रावधान है. लेकिन इस कानून पर गड़चिरोली शहर में अमल होते नहीं दिखाई दे रहा है. जिससे शहर में इस कानून पर अमल होना बेहद जरूरी है.

चरवाहे ने मौत के साए में बिताया एक घंटा

जंगल में दो बाघ, एक पेड़ और मौत से जंग, बची जान

संवाददाता / कारंजा-घाडगे

साहस, सूझबूझ और किस्मत ने एक 23 वर्षीय युवा चरवाहे की जान बचा ली. आगरगांव के जंगल में मंगलवार शाम दो वयस्क बाघों ने उस पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन युवक ने पलभर में पास के पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचा ली. लगभग एक घंटे तक दोनों बाघ पेड़ के नीचे डटे रहे. अंततः ग्रामीणों के शोर-शराबे के बाद बाघ जंगल की ओर लौट गए और युवक सुरक्षित नीचे उतर सका. यह रोमांचक घटना उमेश जनार्दन वरठी (23), निवासी जोगा हेडी के साथ घटी. उमेश रोज की तरह गांव

के गजानन आसोले के लगभग 70 मवेशियों को चराने के लिए आगरगांव के जंगल क्षेत्र में गया था. शाम करीब छह बजे अचानक जंगल से दो बड़े बाघ एक के पीछे एक उसकी ओर बढ़ते दिखाई दिए.

बाघों को अपनी ओर आते देख उमेश ने बिना समय गंवाए पास के एक पेड़ पर तेजी से चढ़कर ऊंची शाखा पर शरण ले ली. पेड़ पर चढ़ने के बाद भी खतरा टला नहीं. दोनों बाघ काफी देर तक पेड़ के नीचे ही डटे रहे और युवक पर नजर बनाए रखी. हालांकि, उन्होंने किसी भी मवेशी पर हमला नहीं किया. घबराए उमेश ने पेड़ पर बैठे-बैठे मोबाइल से मवेशियों के मालिक और अपने एक मित्र को फोन कर घटना की जानकारी दी. उसने बताया कि वह पेड़ पर फंसा हुआ है और नीचे दो बाघ मौजूद हैं. इसी दौरान मोबाइल की बैटरी खत्म हो गई और उसका संपर्क पूरी तरह टूट गया. इसके बाद करीब एक घंटे तक वह पेड़ पर ही मौत के साए में बैठा रहा. उमेश के फोन से मिली सूचना के बाद गांव में हड़कंप मच गया. कई ग्रामीण लाठियां लेकर आगरगांव के जंगल की ओर दौड़े और जोर-जोर से आवाजें लगाने लगे. शाम करीब सात बजे जब बाघों ने लोगों की भीड़ और शोर सुना तो दोनों जंगल की ओर भाग निकले. उनके चले जाने की पुष्टि होने के बाद ही उमेश सुरक्षित पेड़ से नीचे उतरा. ग्रामीणों का मानना है कि समय पर मिली मदद और उमेश की सूझबूझ के कारण एक बड़ा हादसा टल गया. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है. स्थानीय नागरिकों ने वन विभाग जंगल क्षेत्र में तत्काल गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने की मांग की ग्रामीणों ने बताया कि इसी इलाके में लगभग एक वर्ष पहले भी बाघ के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है. से है.

उमेश का जीवन शुरू से ही कठिनाइयों से भरा रहा है. जब वह मात्र तीन वर्ष का था, तभी उसके पिता का निधन हो गया. परिवार के पास एक एकड़ जमीन भी नहीं है. आजीविका चलाने के लिए वह वर्षों से दूसरे के मवेशी चराने का काम करता है. वह विवाहित है और उसका एक छोटा बेटा भी है. बाघों से आमना-सामना होने जैसी भयावह घटना के बावजूद परिवार की आर्थिक मजबूरी उसे घर बैठने नहीं देती. अगले ही दिन वह फिर मवेशी चराने जंगल पहुंच गया, क्योंकि यही उसके परिवार की रोजी-रोटी का एकमात्र साधन है. उमेश की मां ने बताया कि बुढ़ापे का सहारा उनका यही एक बेटा है, इसलिए उसकी चिंता हर समय बनी रहती है. ईश्वर की कृपा और बेटे के साहस ने उसे बाघों के हमले से सुरक्षित बचाया है.

बेहतर उत्पादन लेने वाले कृषकों को मिलेंगे नकद पुरस्कार

अनाज, दाल और बाजरा की फसल के लिए स्पर्धा का आयोजन

संवाददाता / गोदिया

फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य के विभिन्न भागों में किसान कई प्रयोग कर रहे हैं। यदि ऐसे प्रयोग करने वाले किसानों को उनकी उत्पादकता के लिए प्रोत्साहित और सम्मानित किया जाए, तो उनका मनोबल बढ़ेगा और वे नई और आधुनिक तकनीकों का अधिक उत्साह से उपयोग करेंगे। इससे किसानों को कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही, उनका मार्गदर्शन क्षेत्र के अन्य किसानों को भी मिलेगा और जिले के समग्र उत्पादन में वृद्धि होगी। इसी उद्देश्य से राज्य में फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। सरकार के 20 जुलाई, 2023 के निर्णय के अनुसार, खरीफ मौसम 2026 में सामान्य और आदिवासी समूहों के लिए चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का, नाचनी, तुअर, मूंग, उड़द, सोयाबीन, मूंगफली और सूरजमुखी सहित 11 फसलों के लिए फसल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। तहसील स्तर पर, प्रथम पुरस्कार 5 हजार, द्वितीय पुरस्कार 3 हजार और तृतीय पुरस्कार 2 हजार रुपये है। उसी प्रकार जिला स्तर पर, प्रथम पुरस्कार 10 हजार, द्वितीय पुरस्कार 7 हजार और तृतीय पुरस्कार 5 हजार रुपये है। राज्य स्तर पर, प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय पुरस्कार 40 हजार और तृतीय पुरस्कार 30 हजार रुपये है।

कृषि विभाग के गोंदिया जिले के कृषि अधीक्षक ने अधिक से अधिक किसानों से फसल प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है ताकि फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन में वृद्धि हो सके। अधिक जानकारी के लिए, किसान संबंधित तहसील कृषि अधिकारी के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं और महाराष्ट्र सरकार के कृषि विभाग की वेबसाइट www.krishi.maharashtra.gov. in पर भी जा सकते हैं।

आवेदन जमा करने की तिथि

खरीफ मौसम में धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, चना, तुअर, मूंग, उड़द, सोयाबीन, मूंगफली और सूरजमुखी की फसलों के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 है। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले फसल प्रतियोगिता विजेताओं का चयन तहसील स्तर, जिला स्तर और राज्य स्तर पर आयोजित फसल प्रतियोगिता के परिणामों के आधार पर किया जाएगा। स्पर्धा के लिए सामान्य समूह के लिए 300 रुपये और आदिवासी समूह के लिए 150 रुपये, फसल के अनुसार प्रवेश शुल्क रखा गया है।

शालार्थ आईडी घोटाले पर श्वेतपत्र जारी करें सरकार

संवाददाता / गोंदिया

राज्य में चर्चित शालार्थ आईडी घोटाले स्कूल शिक्षा एवं खेल विभाग के नाम से तैयार किए गए कथित फर्जी शासन पत्रों के माध्यम से शिक्षक नियुक्ति मान्यता और वेतन से जुड़ी कथित अनियमितताओं के मामले में राज्य सरकार से तत्काल श्वेतपत्र जारी करने की मांग एनएसयूआई गोंदिया जिला तथा शिक्षक सहकार विभागीय संगठन ने की है।

संगठनों का कहना है कि विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा मामले की जांच जारी होने की जानकारी समय-समय पर दी जाती रही है। लेकिन अनेक प्रकरण अब भी लंबित है। ऐसे में सरकार की अधिकारिक स्थिति स्पष्ट न होने से शिक्षकों, शिक्षण संस्थाओं, कर्मचारियों और आम नागरिकों में संभ्रम का वातावरण बना हुआ है। संगठनों का कहना है कि कथित शालार्थ आईडी घोटाले की अब तक की जांच की वर्तमान स्थिति, दोषियों के खिलाफ की गई कार्रवाई, सरकार को हुए आर्थिक नुकसान और उसकी वसूली के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े संस्थानों या प्रभावशाली व्यक्तियों को संरक्षण दिए जाने जैसी आशंकाओं को दूर करने के लिए सरकार को पूरी पारदर्शिता के साथ वास्तविक स्थिति जनता के सामने स्पष्ट करनी चाहिए। संगठनों ने मांग की है कि सरकार श्वेतपत्र के माध्यम से मामले की सारी स्थिति सार्वजनिक करें। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रस्तावित सुधारात्मक एवं प्रतिबंधात्मक उपायों की घोषणा भी करें। एनएसयूआई के पूर्व गोंदिया जिला अध्यक्ष अमन तिगाला तथा शिक्षक सहकार संगठन के विभागीय अध्यक्ष रवींद्र अंबुले ने कहा कि दोषियों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जानी चाहिए।

शिक्षक संगठनों की इस मांग के बाद शालार्थ आईडी घोटाला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अब राज्य सरकार इस मांग पर क्या निर्णय लेती है? इस पर शिक्षा जगत सहित अन्य सभी के नजरें टिकी हुई है।

कानून व्यवस्था में पुलिस पाटिल अहम

ग्राम कामगार पुलिस पाटिल संघ ने थानेदार सोनटक्के का किया जोरदार स्वागत

संवाददाता / सड़क अर्जुनी

डुग्गीपार थाने में हाल ही में पदभार ग्रहण करने वाले पुलिस निरीक्षक कमलेश सोनटक्के का महाराष्ट्र ग्राम कामगार पुलिस पाटिल संघ, उपशाखा डुग्गीपार की ओर से स्वागत किया गया. जानकारी के अनुसार, पुलिस पाटिलों की मासिक बैठक का आयोजन थाना परिसर के सभागृह में किया गया.

इस अवसर पर उपशाखा अध्यक्ष अनिल मेंढे, उपाध्यक्ष नेहरू उइके व सचिव दिनेश झिंगरे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर पुलिस निरीक्षक कमलेश सोनटक्के का स्वागत किया. बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस निरीक्षक सोनटक्के ने कहा कि वर्तमान में खरीफ फसल का मौसम शुरू हो चुका है, ऐसे में खेतों से जुड़े विवाद उत्पन्न होने की संभावना रहती है. उन्होंने कहा कि पुलिस पाटिल पुलिस प्रशासन का महत्वपूर्ण अंग हैं और गांवों में शांति, कानून व्यवस्था तथा आपसी समन्वय बनाए रखने में उनकी अहम भूमिका होती है. उन्होंने सभी पुलिस पाटिलों से अपने दायित्वों का ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया. इस अवसर पर पुलिस पाटिल संघ के सदस्य नारद मांढरे, उमेश शाहारे, हितेश बडोले, राजानंद बांबोडे, राजेंद्र कांबले, गणेश लाले, विकास लाडे, गजानन निकोडे, महेंद्र राऊत, वसंत कापगते, उत्तम कोटांगले, सुशील तागड़े, पुष्पा उके, रंजना कोटांगले, विद्या गहाणे, जयश्री बागडकर, सीमा निंबेकर, रेखा बडोले, मंदा लसवंते, रंजू चाचेरे, सुनंदा मेश्राम सहित बड़ी संख्या में पुलिस पाटिल उपस्थित थे. संचालन व आभार सुभाष मेश्राम ने किया.

दोपहिया चालक पर मामला दर्ज

गोंदिया : सार्वजनिक सड़क पर नशे की हालत में दोपहिया वाहन चलाते हुए खुद और दूसरों की जान को खतरे में डालने के आरोप में ग्राम बकी निवासी गणेश यादोराव वाढई (25) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई डोंगरगांव कैंप राजमार्ग पुलिस स्टेशन के पुलिस उप निरीक्षक अनेश राठौड़ ने की. जानकारी के अनुसार कोहमारा चौक के पास नाकाबंदी और वाहनों की जांच चल रही थी. उसी दौरान गोंदिया से कोहमारा जा रही एक दोपहिया वाहन क्र. एमएच 40-एयु 6333 संदिग्ध तरीके से अनियंत्रित ढंग से चलाई जा रही थी. जांच करने पर पता चला कि उसने शराब का सेवन किया था.

दो प्रगतिशील किसानों का राज्यपाल ने किया सम्मान

संवाददाता / गोंदिया

कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले गोंदिया जिले के दो प्रगतिशील किसानों को महाराष्ट्र शासन के कृषि विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा के हस्ते सम्मानित किया गया. गोंदिया तहसील के चुटिया निवासी प्रीति टेंभरे को जिजामाता कृषिभूषण पुरस्कार तथा अर्जुनी मोरगांव तहसील के खैरी निवासी दादा रामाजी फुंडे को उद्यान पंडित पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

1 जुलाई कृषि दिवस के अवसर पर मुंबई के वरली में आयोजित समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे. प्रीति टेंभरे को वर्ष 2023 का जिजामाता कृषिभूषण पुरस्कार प्रदान किया गया. अजोला उत्पादन इकाई स्थापित कर जैविक खेती को बढ़ावा दिया है. इसके अलावा धान की उन्नत बीज चयन, फल व सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधे तैयार करना, फेरोमोन ट्रैप और बर्ड पर्च का उपयोग जैसी आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर मिसाल कायम की है. पंचायत समिति गोंदिया द्वारा भी उन्हें प्रगतिशील महिला किसान के रूप में सम्मानित किया जा चुका है. वहीं, दादा रामाजी फुंडे को वर्ष 2023 का उद्यान पंडित पुरस्कार प्रदान किया गया. उन्होंने आम, अमरूद, चीकू, सीताफल सहित विभिन्न बागवानी व सब्जी फसलों की सफल खेती की है. पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर नर्सरी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराने के साथ-साथ जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों को भी बढ़ावा दिया है. जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी निलेश कानवडे ने कहा कि दोनों किसानों ने अपने उत्कृष्ट कार्यों से जिले का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया है.

जनसंख्या के अनुपात में महाज्योति को 1500 करोड़ की निधि दी जाए

संवाददाता / गोदिया

महाराष्ट्र में ओबीसी समाज की जनसंख्या के अनुपात में महात्मा ज्योतीबा फुले संशोधन व प्रशिक्षण संस्था (महाज्योती) को 1500 करोड़ रुपए की निधि दिए जाने की जोरदार मांग आज 9 जुलाई को विधान परिषद में विधायक डा. परिणय फुके ने की है।

उन्होंने कहा कि महाज्योति को वर्तमान में मिल रही निधि समाज की जनसंख्या की तुलना में बहुतही कम है। शासन को इस संबंध में दिए गए अपने आश्वासनों को पूरा करना चाहिए। डा. फुके ने कहा कि शासन की ओर से सारथी, बार्टी एवं महाज्योति तीनों संस्थाओं को लगभग समान निधि दी जाती है।

सारथी संस्था 16 प्रतिशत मराठा समाज के लिए, बार्टी 13 प्रतिशत अनुसूचित जाति के लिए एवं महाज्योति लगभग 60 प्रतिशत ओबीसी समाज के लिए कार्यरत है। ओबीसी समाज में 350 से अधिक जातियों का समावेश है और लगभग 7 करोड़ नागरिकों के शैक्षणिक और कौशल्य विकास की जिम्मेदारी महाज्योति पर हैं।

किसानों को मिले 12 घंटे बिजली, स्मार्ट मीटर लगाने पर आ रहा अधिक बिल

संवाददाता / गोदिया

राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में गुरुवार को नियम 293 के तहत हुई चर्चा के दौरान अर्जुनी मोरगांव के विधायक राजकुमार बडोले ने गोंदिया-भंडारा के किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने हेतु 12 घंटे विद्युत आपूर्ति किए जाने, जबरन नागरिकों के घरों में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाने और जिन किसानों को वन जमीन के पट्टे दिए गए हैं, उन्हें स्वामित्व दिए जाने के मुद्दे जोर-शोर से उठाए। बडोले ने कहा कि गोंदिया जिले में पानी की कमी न होने के बावजूद धान उत्पादक किसानों को केवल 8 घंटे बिजली आपूर्ति की जाती है।

जिससे उन्हे खेती करना कठिन हो रहा है। रात-बेरात खेतों में पानी देने के लिए उन्हे जाना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए किसानों को कम से कम 12 घंटे कृषि पंपों के लिए विद्युत आपूर्ति की जानी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के कारण नागरिक परेशान है। इन मीटरों से विद्युत बिल में बढ़ोत्तरी होने की शिकायते मिल रही है। जिसे देखते हुए यह मीटर जबरन न लगाते हुए नागरिकों को विश्वास में लेकर लगाए जाने की मांग उन्होंने की। उन्होने कहा कि गोंदिया जिले में 8 हजार और भंडारा जिले में 4 हजार लोगों को झुड़पी जंगल, वन जमीन के पट्टे दिए गए है, लेकिन स्वामित्व नहीं दिए जाने के कारण लाभार्थियों को शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग उन्होने की।

सुरक्षा के लिए नहीं मिल रहा अनुदान

अर्जुनी मोर : किसानों की फसल में जाकर वन्यजीव नुकसान पहुंचाकर फसल को बर्बाद कर देते हैं. फसल को सुरक्षा के लिए लंबे समय से किसानों द्वारा मांग की जा रही है. ताकि फसलों की सुरक्षा हो सके लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है. जंगल से सटे खेतों में फसलों को बचाने के लिए उपाय योजना की जानी चाहिए लेकिन प्रशासन व जनप्रतिनिधि भी इस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं कर रहे है.

872 कि.मी. की साइकिल वारी पूरी कर लौटे योद्धा

संवाददाता / गोंदिया

आषाढी एकादशी के अवसर पर गोंदिया साइकिलिंग संडे ग्रुप के पांच सदस्यों ने 6 दिनों में 872 कि.मी. की कठिन यात्रा पूरी कर पंढरपुर पहुंचकर भगवान विठ्ठल-रुक्मिणी के दर्शन किए. 8 जुलाई को गोंदिया लौटने पर नागरिकों ने उनका ढोल-ताशों, पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ भव्य स्वागत किया.

इस ऐतिहासिक साइकिल वारी में गोंदिया के नगराध्यक्ष सचिन शेंडे के साथ कारगिल युद्ध में एक पैर गंवा चुके पूर्व सैनिक उदयभान निर्वाण भी शामिल थे. कृत्रिम पैर के सहारे 872 कि.मी. की यात्रा पूरी कर उन्होंने साहस, संकल्प और भक्ति का अद्भुत उदाहरण पेश किया.

साइकिल यात्रियों ने गोंदिया से पंढरपुर तक का 872 कि.मी. का सफर मात्र छह दिनों में पूरा किया. रोजाना प्रतिकूल मौसम, तेज धूप और कठिन रास्तों का सामना करते हुए वे पंढरपुर पहुंचे और भगवान विठ्ठल-रुक्मिणी के दर्शन किए. इस अवसर पर उन्होंने गोंदिया और भंडारा जिले के किसानों की समृद्धि, धान की भरपूर पैदावार तथा दोनों जिलों के सर्वांगीण विकास की प्रार्थना की.

यात्रा का सबसे प्रेरणादायी चेहरा पूर्व सैनिक उदयभान निर्वाण रहे. कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करते हुए उन्होंने अपना एक पैर खो दिया था, लेकिन कृत्रिम पैर के सहारे पूरी साइकिल वारी सफलतापूर्वक

पूरी कर उन्होंने यह साबित कर दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति के सामने कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती. नगराध्यक्ष सचिन शेंडे ने कहा कि यह सिर्फ वारी नहीं थी, बल्कि हमारी आस्था, एकता और संकल्प की परीक्षा थी. भगवान विठ्ठल की कृपा से हम सकुशल लौटे. हमने गोंदिया और भंडारा के किसानों की खुशहाली और अच्छी फसल के लिए प्रार्थना की. पूर्व सैनिक उदयभान निर्वाण ने कहा कि शरीर से मैं दिव्यांग हूं, लेकिन मन से मजबूत हूं. विठ्ठल के दर्शन के लिए मैं हर कठिनाई का सामना करने को तैयार था. युवाओं को भी स्वस्थ जीवन के लिए नियमित साइकिल चलानी चाहिए. टाइगर मैन घनश्याम उईके ने कहा कि हमने जो संकल्प लिया था, उसे पूरा किया. यह पूरे ग्रुप के लिए गर्व का क्षण है.

बारिश संग बढ़ा जहरीले जीवों का खतरा, 3 दिन में सर्पदंश के 15 केस

संवाददाता / गोंदिया

जिले में जोरदार बारिश के साथ जहरीले सांप, बिच्छु और अन्य विषैले कीटों का खतरा बढ़ गया है. पिछले तीन दिनों (4 से 7 जुलाई) के बीच जिले में सर्पदंश, बिच्छु के डंक और अज्ञात विषैले कीटों के काटने की 15 घटनाएं सामने आई हैं. सभी घायलों का गोंदिया स्थित शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में उपचार जारी है.

इन मामलों में 6 सर्पदंश, 4 बिच्छु के डंक और 5 अज्ञात विषैले कीटों के काटने की घटनाएं शामिल हैं. स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है. विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के दौरान बिलों में पानी भर जाने से सांप और बिच्छु सुरक्षित स्थान की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर आ जाते हैं. खेतों में काम करना, झाड़ियों के बीच आवाजाही और घरों के आसपास नमी बने रहने से ऐसे हादसों की आशंका बढ़ जाती है.

सर्पदंश के मामले सड़क अर्जुनी, तिरोड़ा और सालेकसा तहसीलों समेत अन्य क्षेत्रों से सामने आए हैं. वहीं बिच्छु के डंक के मरीज बिरसी, रामनगर, खातिया और दत्तोरा के हैं. अज्ञात विषैले कीटों के काटने की घटनाएं आमगांव, सालेकसा, गोरेगांव तथा मध्यप्रदेश के लांजी क्षेत्र से जुड़े लोगों के मद्देनजर दर्ज की गई हैं.

संजय गांधी श्रवण बाल सेवा पेंशन योजना में पैन कार्ड और बीपीएल प्रमाणपत्र की अनिवार्यता हटाने की मांग

विधायक विजय रहांगडाले ने सामाजिक न्याय मंत्री को पत्र लिखकर पात्र हितग्राहियों को राहत देने का किया आग्रह

संवाददाता / तिरोड़ा

तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय रहांगडाले ने महाराष्ट्र शासन की संजय गांधी श्रवण बाल सेवा राज्य निवृत्ति पेंशन योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के लिए पैन कार्ड एवं बीपीएल (गरीबी रेखा) प्रमाणपत्र की अनिवार्यता में शिथिलता देने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री संजय सिरसाट को पत्र भेजकर आवश्यक नीति संशोधन करने का आग्रह किया है। विधायक रहांगडाले ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस योजना का लाभ प्रदेश के हजारों वृद्ध, निराश्रित, विधवा एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को मिल रहा है। लेकिन हाल के समय में पेंशन स्वीकृति तथा नवीनीकरण की प्रक्रिया के दौरान पैन कार्ड और बीपीएल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की अनिवार्यता के कारण अनेक पात्र हितग्राहियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले अनेक बुजुर्गों के पास आज भी पैन कार्ड उपलब्ध नहीं है। वहीं कई पात्र परिवारों का नाम बीपीएल सूची में दर्ज नहीं है या अद्यतन बीपीएल प्रमाणपत्र प्राप्त करने में अत्यधिक समय लग रहा है। इसके कारण वास्तविक पात्र नागरिक भी योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं तथा उनकी पेंशन संबंधी फाइलें लंबे समय से लंबित पड़ी हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त संकट उत्पन्न हो रहा है। इस स्थिति को देखते हुए विधायक विजय रहांगडाले ने सरकार से दो प्रमुख मांगें की हैं। पहली, संजय गांधी श्रवण बाल सेवा राज्य निवृत्ति पेंशन योजना के अंतर्गत पैन कार्ड प्रस्तुत करने की अनिवार्यता में शिथिलता प्रदान की जाए। दूसरी, बीपीएल प्रमाणपत्र के स्थान पर आय प्रमाणपत्र अथवा अन्य वैध सरकारी दस्तावेजों को स्वीकार किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को अनावश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया के कारण योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े।

विधायक ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सामाजिक सुरक्षा पहुंचाना है। ऐसे में दस्तावेजों की कठोर अनिवार्यता के कारण यदि पात्र बुजुर्ग और जरूरतमंद नागरिक पेंशन से वंचित रह जाते हैं, तो योजना की मूल भावना प्रभावित होती है। उन्होंने सामाजिक न्याय मंत्री से इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ सकारात्मक निर्णय लेकर पात्र लाभार्थियों को शीघ्र राहत प्रदान करने की मांग की है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक चंद्रकांत खंडेलवाल द्वारा भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरूनानक वॉर्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से मुद्रित कर गुरूनानक वार्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से प्रकाशित.
संपादक :- चंद्रकात खंडेलवाल, पी.आर.पी एक्ट के तहत जिम्मेदार *